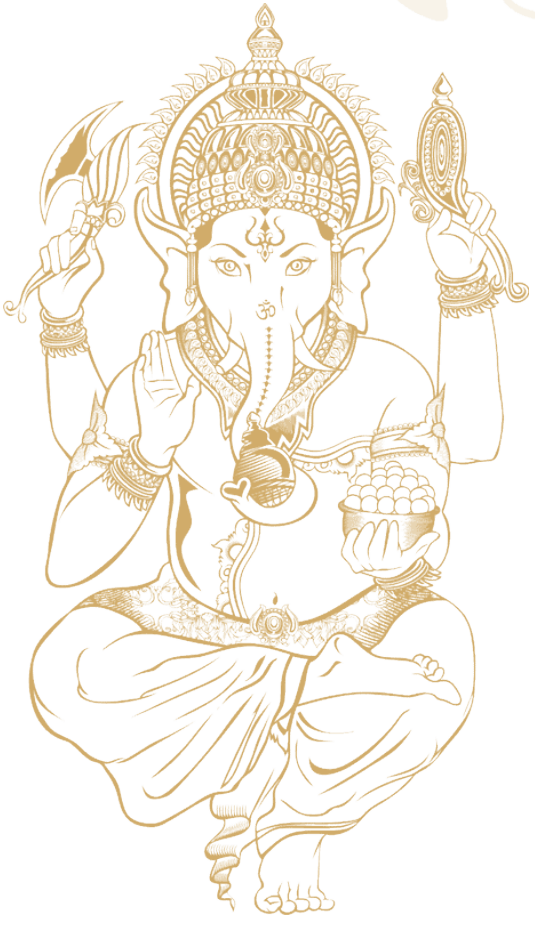

Mr.sarthak jain

14 Feb 2000

09:05 AM

Jaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121165602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/02/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**09:05:00 घंटे**
इष्ट	05:00:41 घटी
स्थान	**Jaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:53:00 उत्तर
रेखांश	75:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:38:20 घंटे
वेलान्तर	-00:14:15 घंटे
साम्पातिक काल	18:12:16 घंटे
सूर्योदय	07:04:43 घंटे
सूर्यास्त	18:17:21 घंटे
दिनमान	11:12:38 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	00:53:20 कुम्भ
लग्न के अंश	10:25:20 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वैधृति
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वा-वासुदेव
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:25:20	503:25:35	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	सूर्य	---
सूर्य			कुंभ	00:53:20	01:00:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	16:17:50	14:14:11	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
मंगल			मीन	07:44:58	00:45:42	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	18:58:34	01:06:16	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	06:01:22	00:09:41	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			मक	01:09:09	01:13:59	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि			मेष	17:25:43	00:03:32	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	नीच राशि
राहु			कर्क	09:41:37	00:01:04	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु			मक	09:41:37	00:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	23:23:58	00:03:28	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	10:57:55	00:02:10	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
प्लूटो			वृश्चि	18:47:05	00:01:02	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			धनु	08:57:21	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:18

लग्न-चलित

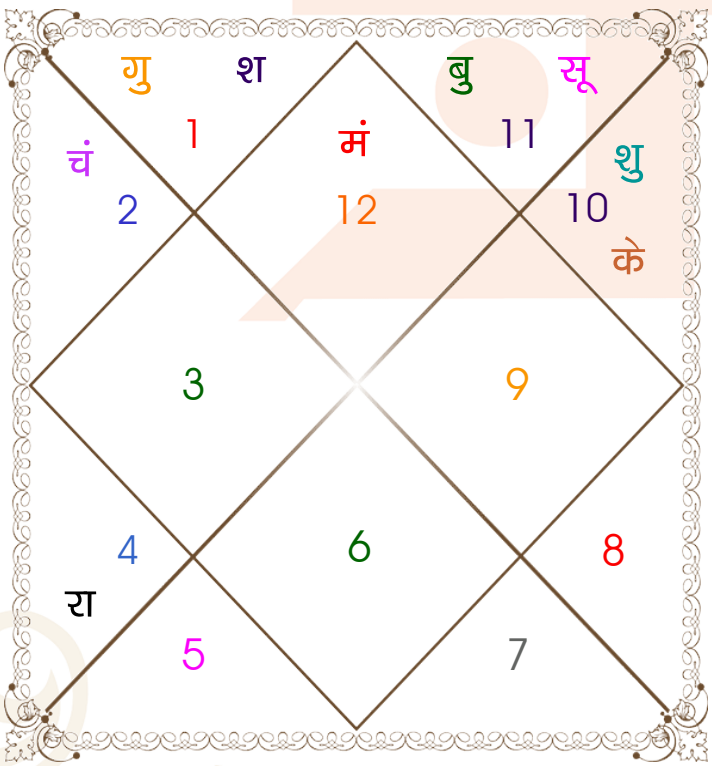

चन्द्र कुंडली

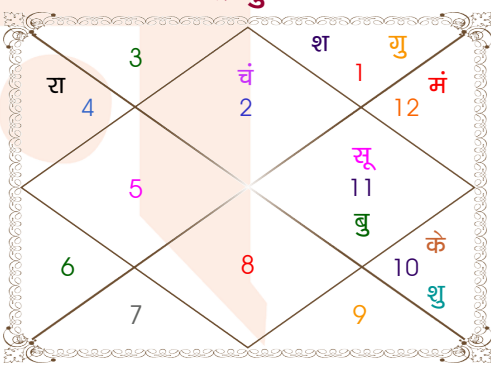

नवमांश कुंडली

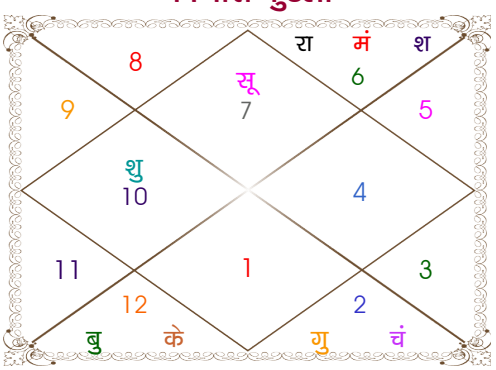

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 5 वर्ष 3 मास 9 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/02/2000		25/05/2005		25/05/2012		26/05/2030		26/05/2046	
25/05/2005		25/05/2012		26/05/2030		26/05/2046		25/05/2065	
	00/00/0000	मंगल	21/10/2005	राहु	05/02/2015	गुरु	13/07/2032	शनि	28/05/2049
	00/00/0000	राहु	09/11/2006	गुरु	01/07/2017	शनि	24/01/2035	बुध	05/02/2052
	00/00/0000	गुरु	16/10/2007	शनि	07/05/2020	बुध	01/05/2037	केतु	16/03/2053
	14/02/2000	शनि	24/11/2008	बुध	24/11/2022	केतु	07/04/2038	शुक्र	16/05/2056
शनि	25/03/2001	बुध	21/11/2009	केतु	13/12/2023	शुक्र	06/12/2040	सूर्य	28/04/2057
बुध	25/08/2002	केतु	19/04/2010	शुक्र	12/12/2026	सूर्य	24/09/2041	चंद्र	27/11/2058
केतु	26/03/2003	शुक्र	19/06/2011	सूर्य	06/11/2027	चंद्र	24/01/2043	मंगल	06/01/2060
शुक्र	24/11/2004	सूर्य	25/10/2011	चंद्र	07/05/2029	मंगल	31/12/2043	राहु	12/11/2062
सूर्य	25/05/2005	चंद्र	25/05/2012	मंगल	26/05/2030	राहु	26/05/2046	गुरु	25/05/2065

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
25/05/2065		26/05/2082		25/05/2089		26/05/2109		27/05/2115	
26/05/2082		25/05/2089		26/05/2109		27/05/2115		00/00/0000	
बुध	22/10/2067	केतु	22/10/2082	शुक्र	24/09/2092	सूर्य	13/09/2109	चंद्र	26/03/2116
केतु	18/10/2068	शुक्र	22/12/2083	सूर्य	24/09/2093	चंद्र	14/03/2110	मंगल	25/10/2116
शुक्र	19/08/2071	सूर्य	28/04/2084	चंद्र	26/05/2095	मंगल	20/07/2110	राहु	26/04/2118
सूर्य	24/06/2072	चंद्र	27/11/2084	मंगल	25/07/2096	राहु	14/06/2111	गुरु	26/08/2119
चंद्र	24/11/2073	मंगल	25/04/2085	राहु	26/07/2099	गुरु	01/04/2112	शनि	15/02/2120
मंगल	21/11/2074	राहु	13/05/2086	गुरु	27/03/2102	शनि	14/03/2113		00/00/0000
राहु	10/06/2077	गुरु	19/04/2087	शनि	26/05/2105	बुध	19/01/2114		00/00/0000
गुरु	15/09/2079	शनि	28/05/2088	बुध	26/03/2108	केतु	27/05/2114		00/00/0000
शनि	26/05/2082	बुध	25/05/2089	केतु	26/05/2109	शुक्र	27/05/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 5 वर्ष 3 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।